

छीलन स्त्री. (देश.) 1. छीलने की क्रिया या भाव
2. किसी वस्तु के वे छोटे टुकड़े जो उसे छीलने पर निकलते हैं।

छीलना अ.क्रि. (देश.) 1. किसी चीज के ऊपर जमे या सटे आवरण को तह या परत खींचकर उससे अलग करना जैसे- फल के ऊपर का छिलका, पेड़ पर की छाल छीलना, प्याज छीलना 2. उगी या जमी हुई चीज का काट, खुरच या नोचकर निकालना या हटाना जैसे- घास छीलना, खोटे उस्तरे से दाढ़ी छीलना, रंदे से लकड़ी छीलना।

छीनर पुं. (देश.) पानी का भरा हुआ छोटा गड्ढा वि. छिछला।

छीव पुं. (देश.) क्षीव।

छीवना स.क्रि. (देश.) छीना, छूना।

छीवर स्त्री. (देश.) छीबर।

छीवनी स्त्री. (देश.) छँगुली।

छीवली स्त्री. (देश.) छँगुली।

छीआई स्त्री. (देश.) छूने या छुआने की क्रिया, भाव या पारिश्रमिक।

छीआना स.क्रि. (देश.) छुलाना।

छुई-मुई स्त्री. (देश.) छुई-मुई नामक एक पौधा।

छुगकू पुं. (देश.) घुँघरू।

छुच्छ वि. (देश.) छूछा।

छुच्छी स्त्री. (देश.) 1. कोई छोटी नली जैसे- दीए में की छुच्छी, जिसके अंदर कपड़े की बत्ती रहती है 2. कान या नाक में पहनने के फूल या लोंग का वह पूरक अंश जो बहुत छोटी पतली नली के रूप में होता है और जिसमें फूल या लोंग के नीचे की कील घुमा या धँसाकर जमाई या बैठाई जाती है 3. कीप, जिसकी सहायता से बोतलों में तेल डाला जाता है।

छुच्छू वि. (देश.) 1. मूर्ख 2. तुच्छ।

छुछमछनी स्त्री. (देश.) मेंढक आदि कई छोटे जल-जंतुओं के बच्चों का वह आरंभिक रूप जो

बहुत-कुछ लंबी पूंछ वाले कीड़े अथवा मछली के बच्चे जैसा होता है।

छुछहँड़ स्त्री. (देश.) 1. वह हाँड़ी जिसमें से पकाई हुई खाद्य वस्तु निकाल ली गई हो 2. खाली हाँड़ी।

छुछूंदर स्त्री. (देश.) छछूंदर।

छुट अव्य. (देश.) छोड़कर, अतिरिक्त, सिवा जैसे- जिसमें हिंदी छुट और किसी बोली का पुट न हो -इंशाउल्ला खाँ प्रत्य. एक प्रत्यय जो कुछ यौगिक शब्दों के अंत में लगाकर अनियंत्रित आचरण करने वाले का सूचक होता है जैसे- बत-छुट, हथ-छुट आदि करने वाला वि. छोटा का लघु रूप जो उसे यौगिक शब्दों में प्राप्त होता है जैसे- छुट-भैया।

छुटकना अ.क्रि. (देश.) छुटना (छोड़ा जाना)।

छुटकाना स.क्रि. (देश.) छुड़ाना।

छुटकारा पुं. (देश.) 1. छूटने अथवा छुड़ाए जाने अर्थात् मुक्त होने या मुक्त किए या कराए जाने की अवस्था, क्रिया या भाव, मुक्ति जैसे- कारागार से छुटकारा पाना या मिलना 2. किसी प्रकार की विपत्ति, संकट आदि से सकुशल बच निकलने का भाव जैसे- कष्टों से छुटकारा पाना या मिलना।

छुटना अ.क्रि. (देश.) छूटना।

छुटपन पुं. (देश.) 1. छोटे होने की अवस्था या भाव, छोटाई 2. बचपन, लड़कपन।

छुट-पुट वि. (देश.) 1. मूल अंग से कटकर छोटे-छोटे टुकड़ों के रूप में इधर-उधर फैला हुआ 2. जो थोड़ा-थोड़ा करके कभी कहीं और कभी कहीं घटित हो, चुट-पुट जैसे- छुट-पुट मुठभेड़, छुट-पुट वर्षा आदि।

छुटभैया पुं. (देश.) व्यक्ति जिसकी गिनती बड़े आदमियों में न होकर छोटे या साधारण आदमियों में होती हो, बड़ों की तुलना में अपेक्षया निम्न स्थिति का व्यक्ति।

छुटलना अ.क्रि. (देश.) छुटना।

छुटाना स.क्रि. (देश.) छुड़ाना।